SHODHSAMHITA
शोधसंहिता
ISSN 2277-7067
UGC CARE Group 1

मेडिकल पुस्तकालय एवं ई संसाधन: एक अध्ययन

डॉ संगीता सिंह

विभागाध्यक्ष, डॉ.सी.वी रामन् विश्वविद्यालय, करगी रोड़ कोटा,बिलासपुर (छ.ग),

पायल चक्रवर्ती

सहायक पुस्तकालाध्यक्ष, डॉ.सी.वी रामन् विश्वविद्यालय, करगी रोड़ कोटा,बिलासपुर (छ.ग),

वर्षा दुबे

शोधार्थी, डॉ.सी.वी रामन् विश्वविद्यालय करगी रोड़ कोटा,बिलासपुर (छ.ग)।

सारांश

मेडिकल यह एक ऐसा क्षेत्र होता है जहां वर्तमान तथा भविष्य दोनो को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों द्वारा नए- नए अनुसंधान कार्य तथा परिवर्तन किए जाते है। समय के साथ सूचना प्रौद्योगिकी तथा तकनीक का प्रभाव मेडिकल पुस्तकालयों में भी देखा जा सकता है। ग्रंथालय में सबसे महत्वपूर्ण यह होता है कि वहाँ किस प्रकार के संसधनों का उपयोग तथा कितनी विशिष्ट अथवा महत्पूर्ण अध्ययन सामग्री का संकलन किया गया है। इसके साथ ही समय पर किए गए आवश्यक परिवर्तन भी महत्वपूर्ण होते है। इस शोध पत्र में छत्तीसगढ़ के मेडिकल पुस्तकालय तथा वहाँ प्रयोग किए जाने वाले ई – संसाधनों पर प्रकाश डाला गया है। इस शोध पत्र का उद्देश्य पुस्तकालयों में विभिन्न प्रकार के डिजिटल संसाधनों का मेडिकल छात्रो द्वारा प्रयोग का आकलन करना है। डिजिटल संसाधनों तथा दी जाने वाली सेवाओं से मेडिकल छात्रो को किस प्रकार से लाभ प्राप्त हो रहा है यह ज्ञात करना भी इसका उद्देश्य है कि वर्तमान मे महाविद्यालय के पुस्तकालय भी पाठयसमाग्री को सुरक्षित रखने के लिए तथा छात्रो द्वारा ज्यादा से ज्यादा उपयोग हेतु इलेक्ट्रानिक माध्यमों का उपयोग किया जाने लगा है। वर्तमान समय मे यह आवश्यक भी है कि समय के साथ इनमें भी आवश्यक परिवर्तन किया जाएं। इसके साथ ही भविष्य को ध्यान में रखते हुए तथा तकनीक को अपनाते हुए आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए संसाधनों को प्रभावी ढ़ंग से अथवा उचित रूपरेखा का भी निर्धारण योजना तथा विचार रखा जाएं।

Keywords (आधारभूत शब्द) – ई संसाधन, मेडिकल पुस्तकालय, मेडिकल महाविद्यालय, मेडिकल पुस्तकालय तथा संसाधन, Medical Library, E Resource, Medical library and E-Resource.

प्रस्तावना

पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्थान का एक महत्पूर्ण भाग होता है जहाँ उस शैक्षणिक संस्थान में शिक्षा प्राप्त कर रहे विधार्थी अपनी आवश्यकतानुसार अपने पुस्तकालय का उपयोग कर सके। आज पुस्तकालय केवल एक कमरे तक ही सीमित नही रहा हैं और न ही उसमें केवल पुस्तके रखी हुई है अपितु आज पुस्तकालयों में अनेक साधन उपलब्ध होते है आज पुस्तकालय को सूचना केन्द्र के नाम से भी जाना जाता है। आज सूचना प्रौद्योगिकी हर एक क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहा है वैसे ही शिक्षा का क्षेत्र भी किसी हाल में पीछे नही रहा है। आज शिक्षा जगत के क्षेत्र में इतनी तेजी से सूचना का विकास हो रहा है कि आज सूचना को केवल एक कमरे तक सीमित नही है आज चिकित्सा पुस्तकालयों में भी अत्यंत तेजी से विकास हो रहा है। आज वहां के पेशेवरों, चिकित्सकों, छात्रो और शोधार्थीयों पर भी इसका असर हुआ है। आज इसी कारण समस्त पुस्तकालयों में स्वचालन तथा डिजिटलीकरण किया जा रहा है। ताकि उपयोगकर्त्ताओं द्वारा चाही गई सूचना उन तक तुरंत पहुचायां जा सके और वह उस सूचना से अपनी क्षमता को बढा सके आज पुस्तकालयों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बन गई है कि उपयोगकर्ताओं द्वारा चाही गई सूचना उन तक पहुचांना क्योंकि आने वाले समय में दुनिया की ताकत केवल ज्ञान रहेगा।

शोध साहित्य की समीक्षा

असेमी 2005 से ज्ञात हुआ कि सभी उत्तरदाता अक्सर इंटरनेट का उपयोग कर रहे थे क्योकि सभी संकायो को इंटरनेट से कनेक्शन प्रदान किया गया था यह पता चला कि विश्वविधालय के शोधकर्ताओं को इंटरनेट के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण जानकारी मिल रही थी। पुस्तकालय ने सभी छात्रो और कर्मचारियों के लिए विभिन्न डेटाबेस और ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान की थी **अचोना 2008** में एक शोध पत्र से यह ज्ञात हुआ कि याबा कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के पुस्तकालयों में ई जर्नल एवं ई पत्रिकाओं का प्रयोग कम पाया गया यहां कौशल की कमी अपर्याप्त कम्प्यूटरों का प्रावधान, बिजली की कमी आदि के कारण संसाधनों का उपयोग में आने वाली समस्याएं थी। अध्ययन से यह ज्ञात हुआ था कि पर्याप्त कम्प्यूटरों का प्रावधान सूचना प्रौद्दोगिकी को लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता और इसके उपयोग और छात्र को ई जनरल संसधानों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता का निष्कर्ष निकाला निकोलस एट. ऑल 2003 ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सलाह के लिए वेब के उपयोग की जांच के लिए यूके में एक

अध्ययन किया। इस अध्ययन में कुल 1300 लोगो का सर्वे किया गया जिससे ज्ञात हुआ कि 66 प्रतिशत लोग इंटरनेट का उपयोग घर पर 28 प्रतिशत लोग काम से और 6 प्रतिशत लोग दोनों के लिए उपयोग करते है।

दायरा और सीमा

चिकित्सक पुस्तकालयों में उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओ को पूरा करने के लिए अध्ययन का दायरा कहा तक सीमित है। यहां पर संसाधनों और सेवाओं का उपयोग किस प्रकार से किया जाता है इस अध्ययन तक सीमित है।

अध्ययन का उद्देश्य

- मेडिकल के छात्र विभिन्न प्रकार के डिजिटल संसाधनों का आंकलन करना ।
- मेडिकल के छात्रों द्वारा डिजिटल संसाधनों और सेवाओ के उददेश्य और उपयोग का पता लगाना।
- उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए डिजिटल संसाधनों और सेवाओं में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव ओर सिफारिशें देना।

अध्ययन की आवश्यकता

आज सूचना प्रौद्दोगिकी के साथ आज पुस्तकालय केवल मुद्रित रूपों में न रहकर कंसोर्टियम डेटाबेस संस्थान रिपॉजेटरी जैसे कई स्त्रोत संभव है। आज चिकित्सक विज्ञान पुस्तकालयों का एक अभिन्न अंग बन गए है। उपयोगकर्ताओं की बढती मांग को पूरा करने के लिए पुस्तकालयाध्यक्षों को अनेक आधुनिक तकनीक से पूर्णत: योग्य होना चाहिए। आज हर एक पुस्तकालयाध्यक्ष के लिए पुस्तकालय एक चुनौतीपूर्ण स्थान बन गया है।

छत्तीसगढ एक परिचय

छत्तीसगढ भारत का एक राज्य है। पहले यह मध्यप्रदेश के अंतर्गत आता था इसमें पहले 36 गढ़ हुआ करता था इसलिए इसका नाम छत्तीसगढ़ पड़ा इसका गठन 1 नवम्बर 2000 को हुआ था और यह भारत का 26 वॉ राज्य है। यह देश के लिए बिजली और इस्पात का एक स्त्रोत है, जिसका उत्पादन कुल स्टील का 15 प्रतिशत है छत्तीसगढ़ भारत में सबसे तेजी से विकसित राज्यों में से एक है।

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान परिचय

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान को एम बी बी एस के लिए स्नातक संस्थान से रूप में स्थापित किया गया था। गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग. के तहत सालाना 180 मेडिकल छात्रो के प्रवेश के साथ 10 अक्टूबर 2001 में डिग्री कोर्स प्रारंभ हुआ। पुरानी सरकार ने धरम अस्पताल के 350 बिस्तरों को 300 बिस्तरों के साथ जिला अस्पातल में बदल दिया गया।

डॉ भीमराव अम्बेडकर मेमोरियल

यह अस्पातल रायपुर छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी सरकारी स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा प्रदान करता है यह अस्पताल शहर के मध्य में और रेल्वे स्टेशन और बस स्टैड से एक किलोमीटर के भीतर स्थित है। यह पं जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रायपुर से संबंधित है।

ई संसाधन

प्रौद्योगिकी के विकास ने शिक्षा जगत का चेहरा ही बदल दिया है। आज हम कही भी बैठे सूचना संसधनों का उपयोग आसानी से कर पा रहे है। वर्ल्ड वाइड वेब से आज सूचना अत्यंत ही तेजी से प्राप्त किया जा सकता है। डॉ रंगनाथन जी ने पुस्तकालय विज्ञान के मूल सिद्धांतो में कहा है कि पुस्तकालय की बुनियादी सिद्धांत को भंग किये बिना हमें पुस्तकालय को पुनर्निर्माण करना चाहिए। पुस्तकालय का मुल रूप केवल पुस्तके नही होती, अपितु वहां के उपयोगकर्त्ता तथा कर्मचारी भी होते है। आज पुस्तकालयों में वेब ओपेक, इलेक्ट्रानिक संसाधन सी डी, डी वी डी का उपयोग किया जाता है। इलेक्ट्रानिक संसाधनों के उपयोग से आज पुस्तकालयों के उपयोगकर्त्ताओं के सूचना खोजना अत्यंत ही आसान होता जा रहा है । आज सभी सूचना ई संसाधनों में भी संभव है। आज ई पत्रिकाएं, ई डेटाबेस ई बुक्स और प्राय: सभी सूचनाएं इलेक्ट्रानिक माध्यम में उपलब्ध होता है ।

ई संसाधन की परिभाषा

'' शब्द उन सभी सूचना उत्पादों का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया जाता है जो एक पुस्तकालय कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से प्रदान करता है ।''

पुस्तकालय एवं सूचना प्रौद्योगिकी शब्दावली के अनुसार

इलेक्ट्रानिक संसाधानों का अर्थ है सूचना । सूचना आमतौर पर एक फाइल जिसे विदयुत संकेतो के रूप में संग्रहीत किया जा सकता है ।

विकिपीडिया के अनुसार

ई संसाधनों की आवश्यकता

- ई संसाधनों से पुस्तकालयों के कर्मचारी उपयोगकर्त्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करने में सक्षम होता है ।
- ई संसाधनों को इंटरनेट के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है । इससे उपयोगकर्त्ताओं को पुस्तकालयों में आने की आवश्यकता नही होती है उसमें उपयोगकर्त्ताओं दूरस्थ रहकर भी सूचनाओं को आसानी से प्राप्त कर सकता है ।
- एक ही संसाधन को अनेक उपयोगकर्ता एक ही समय मे उपयोग कर सकते है ।
- इसका उपयोग अपनी सुविधा के अनुसार उपयोगकर्ता कही भी कर सकते है
- ई संसाधनों को शीघ्रता से खोज जा सकता है ।
- संसाधनों को अधिक मात्रा में संग्रहित किया जा सकता है ।

ई संसाधनों से लाभ

- ई संसाधनों के द्वारा हर दस्तावेंजो तक पहुंचना अत्यंत ही आसान है ।
- ई संसाधनों को प्रिट संसाधनों की तुलना में खोजना आसान होता है ।
- उपयोगकर्त्ताओं को वेबसाइट या लिंक के माध्यम से दस्तावेजों तक पहुचना आसान हो जाता है ।

ई संसाधन से हानियाँ

- ई संसाधन का उपयोग हम मोबाईल या कम्प्यूटर मे करते है उससे निकलने वाली हानिकारण किरणें हमारे शरीर को अस्वस्थ्य करती है।
- अगर किसी जनरल की सदस्यता बंद हो जाती है तो उपयोगकर्ता उसका उपयोग से वंचित रह जाता है।
- ई संसाधनों को पढ़ने के लिए पाठको के पास इंटरनेट की सुविधा होना आवश्यक है।

ई सूचना का चयन

ई संसाधनों का चयन हमेशा उपयोगकर्त्ताओं जरूरतों को ध्यान में रख कर करना चाहिए।

- संकाय द्वारा दिये गए निर्देश।
- अन्य पुस्तकालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली इलेक्ट्रानिक पत्रिकायों पत्रिकाओं की समीक्षा।
- उपयोगकर्त्ताओं की जरूरत को जानने के लिए ।

- साम्रगी और ई संसाधनों के क्षेत्र को जानने के लिए।
- ई संसाधनों की गुणवत्ता और उनमें खोज सुविधा की जांच करना।
- खरीददारी के समय सदस्यता, वेब और लाइसेंस की कापी चेक कर लेना चाहिए।

- **ई सूचना की श्रेणियां**
- ई पत्रिकाएं
- ई रिपोर्ट
- शोध प्रबंध
- इलेक्ट्रानिक डेटाबेस
- ई जर्नल
- ई बुक
- ई न्यूज पेपर
- ई मानक
- इंडेक्सिंग और एब्सट्रैक्टिंग डेटाबेस
- पूर्ण पाठ डेटाबेस
- ई संदर्भ डेटाबेस
- छवि संग्रह
- मल्टीमिडिया
- ई क्लिपिंग
- ई थिसिस

ई सूचना की चुनौतियां

- ई संसाधनों के उपयोग के लिए बिजली सबसे बड़ी चुनौती है ।
- हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर भी ई संसाधनों के लिए बड़ी चुनौती है ।
- ई पुस्तकों को पढ़ने के संसाधन मंहगी होती है ।

- ई संसाधनों का उपयोग करने के लिए उसमें कौशल की आवश्यकता होती है ।
- इससे हैकिंग जैसे कार्य भी हो जाते है ।

मेडिकल पुस्तकालयों में उपयोगकर्त्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाएं

- पुस्तकालय सेवाओं का स्वचालन,
- संदर्भ सेवाएं,
- दस्तावेज वितरण सेवा,
- फैक्स ,ईमेल एवं इंटरनेट की सेवाएं,
- पुस्तकालयों में कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से पुस्तकालय की नेटवर्किंग।

पुस्तकालयों पर ई संसाधनों का असर

इंटरनेट ई संसाधन पुस्तकालय का अस्तित्व ही बदल दिया है और जितना तेजी से संसाधनों का विकास हो रहा है कि उपयोगकर्त्ता उस सूचना तक पहुंचना अत्यंत ही कठिन हो जाता है । परंतु एक पुस्तकालय के पुस्तकालध्यक्ष एवं उसके कर्मचारी को उपयोगकर्त्ता को उस सूचना तक पहुचाना अत्यंत ही आवश्यक होता है। आज पुस्तकालय ई संसाधनों के कारण इंटर पुस्तकालय लोन, ई मेल सेवा के माध्यम से दस्तोवेजो को स्कैन करने ई मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है ।

पुस्तकालयों में ई संसाधनों का प्रभाव अधिकांश पुस्तकालय संसाधन, ई पत्रिकाएं, ई पुस्तके डेटाबेस आदि जैसे इलेक्ट्रानिक स्वरूपों में उपलब्ध कराते है । पुस्तकालय अब प्रिंट माध्यम को छोड़कर ई संसाधनों के बढ़ावे पे जोर दे रहा है ।

ई संसाधनों के मुददे

- लाईसेस :- ई संसाधनों को इसका उपयोग करने के लिए प्रकाशित से पुस्तकालय के लाइसेस की आवश्यकता होती है।
- कॉपी राईट :- ई संसाधनों को कॉपी करना अत्यंत ही आसान होता है । इसलिए पुस्तकालयध्यक्ष को बौद्धिक संपदा अधिकार के नियम से अवगत तथा सर्तक होना चाहिए ।

- कम बजट:- पुस्तकालय एक गैर लाभकारी संगठन है इसलिए वे संसाधन मंहगे होने के कारण उसे खरीद पाना संभव नही हो पाता है ।
- कौशल शक्ति :- इलेक्ट्रानिक संसाधनों को संभालने के लिए उचित कौशल के कर्मचारी होना आश्ययक है ताकि इलेक्ट्रानिक संसाधनों का उपयोग हो सके परंतु इस कौशल की शक्ति की कमी आज प्राय: पुस्तकालयों में होती है ।

निष्कर्ष

आज मेडिकल महाविद्यालय के पुस्तकालय भी अपने संसाधनों का संरक्षित करने के लिए इलेक्ट्रानिक माध्यम का उपयोग करते है । पुस्तकालयों की चुनौतियों का सामना करने के लिए इलेक्ट्रानिक संसाधनों को प्रभावी ढ़ग से प्रस्तुत करना पड़ेगा । भविष्य में इलेक्ट्रानिक संसाधनों की उपयोगिता अत्यधिक होगी और पुस्तकालय अधिक से अधिक ई संसाधनों का उपयोग करेगे। और उपयोगकर्त्ताओं तक ई संसाधनों को प्रभावी ढ़ग से पहुचानें में मदद करेंगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- File///C:/ Users/HOdLib/Downloads/ 5970-Artocle%20Text-11711-1-10-20210125.pdf
- C/Users/HoDlib/ Downloads/Library _Facilities _Sources_and_Services _in the_Med.pdf
- hattps://nios.ac.in/media/documents/ SrSecLbrary/LCh-008.pdf
- abbas Khan, A,A, Minhaj F. & Ayesha S (2007), E-resources: E-books and Ejournals in E- Libraries Problems and perspectives Ed by Ramiah, Sankara reddy and Hemant kumar Allied new Delhi.
- Barman Badan (2012) Library and information Science : UGC NET guide DVS publishers Guwahati. 125-126
- Gowda Vasappa and Shivalingaiah D Training need of researchers in the changing information environment a case study of university of university libraries in Karnataka .
- Kaur Baljinder and Verma Rama (2009) Use of Electronic Information Resources A case study of Thapar University The Electronic Library,27 (4). 611-622
- https://uomustnsiriyah.edu.iq/media/lectures/8/8_2018_12_19!10_28_26_PM.pdf